

21.04.2025 पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता जयदीप कुमार।

अधिवक्ता जयदीप द्वारा अधिवक्ता के
नीतिगत तलबाना अथवा रजिस्टर्ड एंटी मी
डिलीवरी (इंटे) रिपोर्ट पेश की जिसे
शुद्धता से विश्लेषण किया गया। एक-एक
कर तीन बार सुनाने लगवाए गए,
ताकत इसके कोर अधिवक्ता नहीं, अतः
अधिवक्ता संख्या - 1 लगातार 5 के विरुद्ध

एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती
है। अधिवक्ता जयदीप की एकपक्षीय बहल
हुनी गई। अधिवक्ता जयदीप ने अपनी बहल
में निवेदन किया कि जयदीप एवं अधिवक्ता
संख्या - 1, 2 के संयुक्त खारेजीपुत्र व

कुलका काश्तपुत्र की खारेजी आरजी शुभ
कोला रेकार्डों की हानि के तबाने अमल
संख्या - 134 रकबा 2.01 हेक्टेयर खलप
संख्या - 135 रकबा 0.44 हेक्टेयर खलप
संख्या - 171/1942 रकबा 0.18 हेक्टेयर

जिसे जयदीप का 13767/41300 रु
दिली आया हुआ है। वास्तविक आरजी

का जयदीप एवं अधिवक्ता सं - 1 व 2 के
मौजे पर कुलका काश्त एवं दिल्से

अनुकूल आपसी सहमति से बे 2 वाकू

काफी समय पूर्व कर दिया गया था।

इस अनुकूल जयदीप मो कलसे काश्त के

व दिल्से की छवि जल कार्बन काश्त

है जयदीप खेतीबाड़ी का रहा है तथा

जयदीप के नाम से जिलावली लेरी चली

आ रही है। मौजे पर जयदीप एवं अधिवक्ता
सं - 1, 2 ने मौजे पर कुलका काश्त

सहायक लेक्टर, सांघो
पिकारी, सांघो



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही अज इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए।
	एक हिस्से अनुशासक आचार्य सहाय के बेटा का डिप्टी मास्टर राजेश रेवडे में होने शास्त्राधीन होने के आपने दिन पक्षकार के अर्थ मार आदि को लेकर विवाद होता रहा है इस कारण आपने अपने एक हिस्से की भूमि का बेटा का कलम चला है। कठ : आपने पता पेश का विवरण है कि साफ़तया दूसरे वार्ड तक विवाद आपने विवाद विवाद को पेश कर कि मौजा कोला रेवालों की भूमि के ख. नं. 124, 171/1943, 172 मुम्बई रखी की वलीप, रहने, खेला, वलीप को ही नहीं पेश। हमने अतिवृत्त ^{जय} अतिवृत्त को हमने अतिवृत्त लुनी गई। पता पेश एक इत पक्षकार दस्तावेज का जाली-आती अतिवृत्त व अतिवृत्त डिप्टी जज। उम्मा बेटा का आचार्य शास्त्राधीन आपने है जो आपने-आपने कलम का भाग है का विवाद है तथ्य अतिवृत्त करते आ रहे है जिनमें अतिवृत्त विवाद को पेश करते पक्षकारों को एक विवाद पक्षकारों के उम्मा के। अतिवृत्त आचार्य-आचार्य, पक्षकार के. दी. दी. पक्षकार एक अतिवृत्त	

सहायक अधिकारी, सांचीर
 (नगरपालिका अधिकारी, सांचीर)

सारीख सुना

सुना या कार्यवाही आज इतिहास आज

पृष्ठ
नं.
१

गोपनीय - हे वेदिक सना वेदिक सना
सना वेदिक सना वेदिक सना
वेदिक सना वेदिक सना वेदिक सना
वेदिक सना वेदिक सना वेदिक सना

कितः उपरि विवेकानन्द सना
पत्र अर्थ प्रोत्साहन नहीं देने सना
स्वास्थ्य नहीं देने हे शरीर का/का
सिद्धि सना हैं

अत्रावली प्रोत्साहन सना
वेदिक सना हे सना सना सना
सना सना सना सना

सना सना सना सना